भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1069** जिसका उत्तर

शुक्रवार, 5 दिसंबर, 2025/14 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है

नारायणी नदी के तटबंध का विकास

+1069. डॉ. आलोक कुमार सुमन :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने नेविगेशनल गहराई का आकलन करने एवं राष्ट्रीय जलमार्ग-37 (एनडब्ल्यू-37) पर फ्लोटिंग जेट्टी प्रदान करने के लिए हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण आरंभ किया है;

(ख) यदि हाँ, तो गत पांच वर्षों के दौरान बिहार के गोपालगंज जिले में नारायणी नदी के तटबंध के विकास का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने नारायणी नदी के तटबंध का विकास आरंभ किया है और वर्तमान में नारायणी नदी के तटबंध पर मछली पालन, स्थानीय वस्तुओं एवं कृषि उत्पादों की आवाजाही हेतु देशी नौकाएं संचालित हो रही हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या स्थानीय आवागमन को सुगम बनाने हेतु एनडब्ल्यू-37 पर बिहार में बेतिया एवं उसके सामने वाले तट के निकट दो फ्लोटिंग जेटी का निर्माण किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): राष्ट्रीय जलमार्ग - 37 (गंडक नदी) पर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण सहित फेयरवे विकास कार्य, वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19, 2019-20 में क्रमश: 5.32 करोड़ रुपए, 7.59 करोड़ रूपए तथा 8.49 करोड़ रुपए की कुल लागत से किया गया था। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय जलमार्ग - 37 (गंडक नदी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अपडेट करने का कार्य मैसर्स रेल इंडिया टेकनिकल एंड इकोनामिक सर्विस लिमिटेड को सौंपा गया है।

(ग): नमामी गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत जुलाई 2021 में बिहार के गोपालगंज जिले में नारायणी नदी पर 8.25 करोड़ रुपये की लागत से दो घाटों का निर्माण कार्य पूरा करके संबंधित शहरी स्थानीय निकायों के सुपूर्द कर दिया गया था। वर्तमान में मत्स्यन, स्थानीय वस्तुओं और कृषि उत्पादों की आवाजाही के लिए देशी नौकाएं चल रही है।

(घ): अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए मंगलपुर (नॉतन) के निकट राष्ट्रीय जलमार्ग-37 (गंडक नदी) और बेतिया में इसके विपरीत तट पर 3 करोड़ रुपए की लागत से दो जेट्टी पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

*****